बिहार स्पेशल

माही श्वेतराज

चर्चा में क्यों?

पटना की माही ने राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता में दो स्वर्ण पदक जीता है।

- ❖ भारतीय तैराकी महासंघ द्वारा आयोजित 77वीं राष्ट्रीय सीनियर तैराकी प्रतियोगिता में माही श्वेतराज ने दो स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया।
- ❖ उन्होंने कर्नाटक के मंगलौर में 50 मीटर बटरफ्लाई और 100 मीटर बटरफ्लाई प्रतियोगिता में यह उपलब्धि हासिल की।
- ❖ बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवींद्रन शंकर ने कहा कि माही बिहार की पहली तैराक हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय सीनियर तैराकी प्रतियोगिता में पदक जीता है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत दवा भंडारण केंद्र

चर्चा में क्यों?

दवा भंडारण केंद्र के निर्माण पर 85 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

- ❖ **उद्देश्य:** सरकारी अस्पतालों में मुफ्त दवाओं की उपलब्धता बढ़ाने के लिए दवा भंडारण केंद्र स्थापित करना।

मुख्य विशेषताएं:

चरणबद्ध कार्यान्वयन:

- ❖ चरण 1: 20 जिलों में केंद्र स्थापित किए जाएंगे।
- ❖ चरण 2: शेष 7 जिलों में केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

वित्त पोषण:

- ❖ प्रति केंद्र कुल लागत: ₹85 लाख।
- ❖ वर्तमान आवंटन: वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के लिए ₹17 करोड़।

अवस्थिति और स्थान की आवश्यकताएँ:

- ❖ **स्थल का चयन:** केंद्र सदर अस्पतालों या सिविल सर्जन कार्यालयों में स्थित होंगे।
- ❖ **न्यूनतम स्थान की आवश्यकता:** 8,000 वर्ग फीट।

चरण 1 में जिले: औरंगाबाद, बांका, भागलपुर, पूर्वी चंपारण, कैमूर, लखीसराय, मधेपुरा, मधुबनी, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, नालंदा, नवादा, पूर्णिया, रोहतास, सहरसा, समस्तीपुर, सारण, सीतामढी, सीवान, सुपौल।

चरण 2 में जिले: पटना, दरभंगा, अररिया, बक्सर, शेखपुरा, गया, पश्चिम चंपारण।

दवा आपूर्ति: बिहार स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना निगम इन केंद्रों को अधिकांश दवाओं की आपूर्ति करता है।

01 केंद्र बनाने पर आएगा करीब 85 लाख का खर्च

20 जिलों में औषधि भंडार केंद्र बनेंगे पहले चरण में

इन जिलों में केंद्र बनाने की चल रही तैयारी

औरंगाबाद, बांका, भागलपुर, पूर्वी चंपारण, कैमूर, लखीसराय, मधेपुरा, मधुबनी, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, नालंदा, नवादा, पूर्णिया, रोहतास, सहरसा, समस्तीपुर, सारण, सीतामढ़ी, सिवान और सुपौल। दूसरे चरण में पटना, दरभंगा, अररिया, बक्सर, शेखपुरा, गया और पश्चिम चंपारण में यह केंद्र बनेंगे।

कौशल विकास केंद्र

चर्चा में क्यों?

राज्य के सभी प्रखंडों में कौशल विकास केंद्र खोले जाएंगे।

- ❖ कुछ प्रखंडों में कौशल विकास केंद्रों की कमी को दूर करना और युवाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करना।

प्रशिक्षण केंद्र की कमी:

- ❖ रोहतास, गया, जमुई, अरवल और चंपारण जिलों सहित लगभग 30 प्रखंडों में कोई कौशल विकास केंद्र नहीं है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम विवरण:

- ❖ **कुल प्रशिक्षण अवधि**- 240 घंटे।

घटक:

- ❖ **भाषा और संचार कौशल:** 80 घंटे।
- ❖ **बुनियादी कंप्यूटर ज्ञान:** 120 घंटे।
- ❖ **व्यवहार कौशल**: 40 घंटे।
- ❖ **प्रशिक्षण भागीदार:** बिहार कौशल विकास मिशन 16 भागीदार विभागों और 2,500 प्रशिक्षण केंद्रों के साथ सहयोग करता है।

उपलब्धियां:

नामांकन और प्रमाणन:

- प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 31 लाख युवाओं ने नामांकन कराया।
- 22.5 लाख सफलतापूर्वक प्रमाणित हुए।

रोजगार परिणाम: प्रशिक्षण के बाद 3 लाख प्रशिक्षुओं को रोजगार मिला।

महिलाओं की भागीदारी: प्रशिक्षुओं में 45% महिलाएं हैं, जो कार्यक्रमों में महिलाओं की मजबूत भागीदारी को दर्शाता है।

अर्थव्यवस्था

ट्रेड कनेक्ट ई-प्लेटफ़ॉर्म

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने भारतीय निर्यातकों, एमएसएमई और उद्यमियों की मदद के लिए ट्रेड कनेक्ट ई-प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च किया।

- ट्रेड कनेक्ट ई-प्लेटफ़ॉर्म भारतीय निर्यातकों, एमएसएमई और उद्यमियों को विदेश में भारतीय मिशनों, निर्यात संवर्धन परिषदों और अन्य भागीदार सरकारी एजेंसियों सहित विभिन्न हितधारकों से जोड़ेगा।
- **उद्देश्य:** व्यापार से संबंधित जानकारी, मार्गदर्शन और उपकरण प्रदान करके भारतीय निर्यातकों को व्यापक सहायता प्रदान करना।

मुख्य विशेषताएँ:

व्यापार सूचना और मार्गदर्शन:

- वैश्विक मांग डेटा, देश के अनुरूप व्यापार जानकारी और बाज़ार पहुँच की शर्तें प्रदान करता है।
- अंतर्राष्ट्रीय मानकों, अनुपालन और वैश्विक खरीदारों के साथ संबंधों पर निर्यातकों का मार्गदर्शन करता है।
- अधिमान्य टैरिफ के लिए दस्तावेज़ीकरण सहित मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के लिए सहायता प्रदान करता है।

उत्पत्ति प्रमाणपत्र:

- निर्यातक एफटीए भागीदार देशों को निर्यात के लिए उत्पत्ति प्रमाणपत्र के लिए आवेदन कर सकते हैं।

देश मार्गदर्शक:

- विभिन्न देशों के लिए निर्यात के अवसरों, नियमों और टैरिफ को सूचीबद्ध करता है।

निर्यातकों के लिए सार्वजनिक वेबपेज:

- भारतीय निर्यातक, विशेष रूप से वाणिज्य विभाग द्वारा पहचाने गए "स्थिति धारक", सार्वजनिक प्रोफ़ाइल बना सकते हैं और अपने उत्पादों को वैश्विक दर्शकों के सामने प्रदर्शित कर सकते हैं।

विशेषज्ञ सहायता:

- निर्यातक व्यापार से संबंधित विषयों पर अधिकारियों और विशेषज्ञों (विदेश में भारतीय मिशनों के 180 से अधिक अधिकारी और निर्यात संवर्धन परिषद के 600 से अधिक अधिकारी) से पूछताछ कर सकते हैं।
- **निर्यात**-आयात विनियमन, वित्त, बीमा, व्यापार विवाद, रसद और विदेशी बाजार के अवसरों को शामिल करता है।

प्रशिक्षण और कौशल विकास:

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में रणनीतियों और कौशल को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण सामग्री होस्ट करता है।

कार्यान्वयन और सहयोग:

मुख्य भागीदार: एमएसएमई मंत्रालय, एक्जिम बैंक, टीसीएस, वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) और विदेश मंत्रालय (एमईए) के सहयोग से विकसित किया गया।

भविष्य में संवर्द्धन:

- हितधारकों की प्रतिक्रिया के आधार पर 2025 के लिए दूसरा संस्करण योजनाबद्ध है।
- बैंकिंग, बीमा और रसद जैसी सेवाओं को शामिल करने के लिए इसका विस्तार किया जाएगा।
- भविष्य में प्लेटफ़ॉर्म अन्य आधिकारिक भाषाओं में भी उपलब्ध होगा।

लॉन्च संदर्भ:

❖ यह प्लेटफॉर्म 6 लाख से अधिक आईईसी धारकों, 180 भारतीय मिशन अधिकारियों, 600 निर्यात संवर्धन परिषद अधिकारियों और डीजीएफटी और वाणिज्य विभाग के अधिकारियों को जोड़ता है।

पर्यावरण एवं भूगोल

मिशन मौसम

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने चरम मौसम और जलवायु चुनौतियों से निपटने के लिए भारत की क्षमता बढ़ाने हेतु दो वर्षीय पहल '**मिशन मौसम**' के शुभारंभ को मंजूरी दे दी है।

❖ **वित्तीय परिव्यय:** ₹2,000 करोड़, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत लागू किया जाएगा।

❖ **उद्देश्य:** उन्नत अनुसंधान और बेहतर जलवायु विज्ञान क्षमताओं के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के लिए भारत की मौसम संबंधी तैयारियों और लचीलेपन को मजबूत करना।

लाभार्थी:

❖ **मिशन से लाभान्वित होने वाले प्रमुख क्षेत्र:**

➢ कृषि, आपदा प्रबंधन, रक्षा, विमानन, जल संसाधन, बिजली, पर्यटन और स्वास्थ्य।

➢ शहरी नियोजन, परिवहन, अपतटीय परिचालन और पर्यावरण निगरानी में डेटा-संचालित निर्णय लेने में सहायता करता है।

अग्रणी संस्थान:

मुख्य कार्यान्वयनकर्ता:

❖ भारत मौसम विज्ञान विभाग

❖ भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान

❖ मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान के लिए राष्ट्रीय केंद्र

❖ पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, उद्योग जगत के नेताओं और शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग।

चर्चित योजनाएं

पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव योजना

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ई-बसों की खरीद के साथ-साथ वाहन बैटरी के लिए 72,000 से अधिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए एक योजना को मंजूरी दी।

❖ **उद्देश्य:** इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाने को बढ़ावा देना और 'रेंज एंग्जायटी' को दूर करने और ईवी अपनाने को बढ़ावा देने के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करना।

❖ **योजना परिव्यय:** दो वर्षों में ₹10,900 करोड़।

लक्षित समर्थन:

❖ ई-टू व्हीलर (ई-2डब्ल्यू), ई-थ्री व्हीलर (ई-3डब्ल्यू), ई-एम्बुलेंस और ई-ट्रकों के लिए ₹3,679 करोड़ की सब्सिडी/मांग प्रोत्साहन।

❖ **समर्थन:** यह योजना 24.79 लाख ई-2डब्ल्यू, 3.16 लाख ई-3डब्ल्यू और 14,028 ई-बसों का समर्थन करेगी।

BPSC WALLAH

ई-बस खरीद:

- **निर्धारित राशि:** 14,028 ई-बसों की खरीद के लिए ₹4,391 करोड़।
- **लक्षित शहर:** 40 लाख से अधिक आबादी वाले नौ शहर- दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, अहमदाबाद, सूरत, बैंगलोर, पुणे और हैदराबाद।
- **अंतर-शहर/अंतर-राज्यीय सहायता:** राज्यों के सहयोग से अंतर-शहर और अंतर-राज्यीय ई-बसों को सहायता दी जाती है।

ई-ट्रक और ई-एम्बुलेंस प्रोत्साहन:

- **प्रोत्साहन:** ई-ट्रक और ई-एम्बुलेंस की खरीद के लिए ₹1,000 करोड़।

चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर:

- **कुल आवंटन:** इलेक्ट्रिक पब्लिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए ₹2,000 करोड़।

चार्जिंग स्टेशन:

- ई-फोर व्हीलर (ई-4W) के लिए 22,100 फास्ट चार्जर
- ई-बसों के लिए 1,800 फास्ट चार्जर
- ई-2W और ई-3W के लिए 48,400 फास्ट चार्जर

Charge booster

PM E-Drive scheme, approved by the Union Cabinet, aims to address range anxiety among EV buyers

- Scheme, valid for two years, will support 24.79 lakh e-2Ws, 3.16 lakh e-3Ws, 14,028 e-buses
- ₹4,391 cr. for procurement of 14,028 e-buses by State transport undertakings of 9 cities
- ₹2,000 cr. to set up charging stations in cities with high EV penetration and on some select highways

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-IV (PMGSY-IV)

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-IV के कार्यान्वयन के लिए ग्रामीण विकास विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

- **उद्देश्य:** सभी मौसमों के अनुकूल सड़कों का निर्माण करके तथा असंबद्ध बस्तियों में पुलों का उन्नयन करके ग्रामीण संपर्क में सुधार करना।

मुख्य विशेषताएं:

- **योजना अवधि:** 2024-25 से 2028-29
- **कुल व्यय:** ₹70,125 करोड़
- **केंद्रीय हिस्सा:** ₹49,087.50 करोड़
- **राज्य का हिस्सा:** ₹21,037.50 करोड़

सड़क और पुल निर्माण:

- **लक्ष्य:** 62,500 किलोमीटर सड़कों का निर्माण
- 25,000 असंबद्ध बस्तियों को जोड़ना
- नई सड़कों के साथ पुलों का उन्नयन और निर्माण करना

कवरेज मानदंड:

पात्र बस्तियाँ:

- मैदानी इलाकों में 500 से अधिक जनसंख्या
- पूर्वोत्तर, पहाड़ी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और विशेष श्रेणी क्षेत्रों में 250 से अधिक जनसंख्या
- वामपंथी उग्रवाद (LWE) प्रभावित जिलों में 100 से अधिक जनसंख्या
- जनगणना संदर्भ: जनगणना 2011 के आंकड़ों पर आधारित

विविध

स्वामी विवेकानंद के शिकागो भाषण को पीएम मोदी की श्रद्धांजलि

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वामी विवेकानंद द्वारा 1893 में दिए गए शिकागो भाषण की 132वीं वर्षगांठ पर उन्हें याद किया।

- प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि विवेकानंद ने भारत को एकता, शांति और भाईचारे का शाश्वत संदेश दिया, जो पीढ़ियों को प्रेरित करता रहता है।

संक्षिप्त समाचार

- द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता टेबल टेनिस कोच जयंत पुशीलाल का कोलकाता में निधन हो गया।
- मेक्सिको न्यायाधीशों के लोकप्रिय चुनाव को मंजूरी देने वाला पहला देश बन गया।
- भारत के औषधि महानियंत्रक ने एक नई आई ड्रॉप प्रेसव्यू को मंजूरी दे दी है। इसे प्रेसबायोपिया से प्रभावित व्यक्तियों के लिए पढ़ने के चश्मे पर निर्भरता कम करने के लिए विकसित किया गया है।
- कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (MCA) ने कंपनी कानून के तहत नेशनल बैंक फॉर फाइनेंसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट (NaBFID) को एक सार्वजनिक वित्तीय संस्थान के रूप में अधिसूचित किया है।
- महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन के अनुसार आदिवासी समुदायों के छात्रों के लिए 80 प्रतिशत आरक्षण वाला एक आदिवासी विश्वविद्यालय नासिक में स्थापित किया जाएगा।
- नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (सिंगापुर में विश्वविद्यालय) में भारतीय मूल की व्याख्याता प्रशांति राम ने अपनी लघु कहानी - 'नाइन यार्ड साड़ी' के लिए अंग्रेजी कथा साहित्य के लिए सिंगापुर साहित्य पुरस्कार जीता और यह उनका पहला काम था जो वर्ष 2023 में प्रकाशित हुआ था।

❍❍❍❍

BPSC WALLAH

PW Web/App: https://smart.link/7wwosivoicgd4

For more such content, subscribe to our Telegram Channelhttps://t.me/pw_upsc

PSC WALLAH